२. अभिरुचिपूरक उपक्रम

२.१ चकरी

सामग्री एवं साधन : गत्ता, टूथपिक या कील, मनके, रंगीन कागज के टुकड़े, कैंची, गोंद आदि।

कृतिक्रम :

(१) गत्ते पर २ सेंमी त्रिज्या का वृत्त बनाकर उसे वृत्ताकर में काटो । उसके मध्यबिंदु पर कील से छेद कर लो।

(२) टूथपिक या कील में पहले बड़ा मनका पिरोकर ऊपरी भाग पर चिपका लो।

(३) गत्ते की वृत्ताकार चकती मनकों के नीचे कील के मध्य भाग तक लाकर चिपका लो ।

(४) फिर से एक छोटा मनका पिरोकर गत्ते की चकती के निचले हिस्से में चिपका लो । (मनका न हो तो कागज की गोल पोंगली / लपेट भी चिपकाई जा सकती है।)

(५) चकरी तैयार है । अब उसके ऊपरी भाग को उँगली की चिमटी में पकड़कर नुकीला भाग समतल जमीन पर रखकर उँगली की चिमटी से चकरी को घुमा दो । चकरी गर्र-गर्र घूमने लगेगी ।

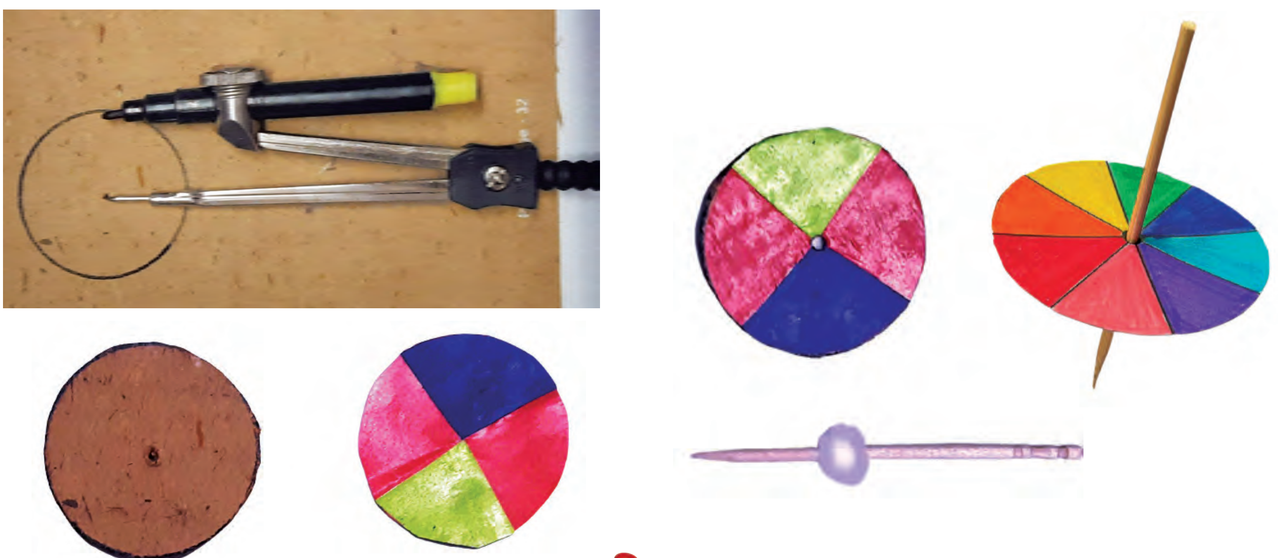

मेरी कृति : घर में उपलब्ध बोतल के ढक्कन का उपयोग कर चकरी बनाओ ।

- चकरी की कृति के लिए आवश्यक गुट कार्य लें व मार्गदर्शन करें ।
- तैयार की हुई चकरी को घुमाकर दिखाएँ ।

२.२ विदूषक

सामग्री एवं साधन : माचिस की खाली डिबिया, ड्राइंग पेपर, विभिन्न रंगों के कागज, पेंसिल, स्केचपेन, कैंची-कटर, आइस्क्रीम की तीली, गोंद आदि ।

कृतिक्रम :

(१) कागज पर विदूषक का सिर, गरदन, हाथ तथा टोपी के चित्र बनाकर उन्हें रँगाओ।

(२) माचिस के भीतरी ड्रॉवर के पिछले हिस्से में आइस्क्रीम की तीली बीचोंबीच चिपका दो ।

(३) ड्रॉवर के ऊपरी भाग पर सिर, हाथ और गरदन आदि चिपका दो ।

(४) माचिस के ऊपरी पृष्ठभाग पर रंगीन कागज से तैयार किए कपड़े चिपका दो।

(५) माचिस का ड्रॉवर माचिस में इस तरह बिठाओ जिससे आइस्क्रीम की तीली नीचे की ओर (आकृति देखें) रहे ।

(६) आइस्क्रीम की तीली ऊपर-नीचे करके विदूषक के हाथों की हलचल करके देखो । माचिस के ड्रॉवर के ऊपर खिड़की का आकार काट दो ।

(७) माचिस के मुख्य खोखे के भीतरी भाग के एक ओर में चित्र में दिखाए अनुसार सूचना पट्टी को दूसरी पट्टियों के साथ मजबूती से लगाएँ ।

◆ कैंची-कटर का उपयोग करते समय सावधानी बरतने की सूचना दें । आवश्यकता के अनुसार सहयोग /मार्गदर्शन करें ।

२.३ फूलों की मालाएँ

सामग्री व साधन : विविध प्रकार के फूल (जैसे -गेंदा, सेवंती, रजनीगंधा, लिली, एस्टर आदि), अशोक या आम के पत्ते, मोटा धागा, लंबी सुई, कैंची आदि ।

कृतिक्रम :

(१) माला जितनी लंबी बनानी हो; उससे थोड़ा अधिक लंबाईवाला दोहरा धागा सुई में पिरो लो ।

(२) एक ही प्रकार के चार अथवा पाँच फूल धागे में पिरो लो । उसके बाद अलग-अलग रंगों के दो-से-तीन फूल पिरो दो ।

(३) पत्तों को मोड़कर दो-तीन मुड़े हुए पत्ते भी पिरो लो ।

(४) पहले प्रकार के चार-से-पाँच फूल पुन: पिरोकर पहली कृति की तरह सभी कृतियाँ बार-बार करवाकर जितनी चाहो; उतनी मालाएँ बनाओ । धागे के दोनों सिरों पर गाँठ लगाकर तैयार हुईं मालाएँ सुशोभित करने हेतु उपयोग में लाओ ।

मेरी कृति :

- नीचे दिए गए चित्र में दिखाए गए फूलों का निरीक्षण करो तथा रचना समझ लो ।

- फूलों का उपयोग किन कामों के लिए किया जाता है ; यह बताओ ।

- सुई हाथ में चुभेगी नहीं; इसके लिए आवश्यक सावधानी बरतने को कहें ।
- संभव हो तो फूल बाजार की सैर का आयोजन करें अथवा फूलों की सजावट करने वाले व्यक्ति से साक्षात्कार का आयोजन करें।